

श्याम तेरी लगन जो लगी तो अगन भी लगे बर्फ सी



श्याम तेरी लगन जो लगी,
तो अगन भी लगे बर्फ सी,
तेरी परछाई हम पे बिछी,
जो मिटाई पे हो बर्क सी,
श्याम तेरी लगन जों लगी,
तो अगन भी लगे बर्फ सी।bd।

तर्ज - जिंदगी प्यार का गीत है।

सब जगह से निकाले हुए,
तेरी महफ़िल में शामिल हुए,
सच कहे ऐसी किरपा हुई,
अब जमाने के काबिल हुए,
है मिजाजी ये मौसम बुरा,
तू दवा मेरे हर मर्ज की,
श्याम तेरी लगन जों लगी,
तो अगन भी लगे बर्फ सी।bd।

थे दशा से बेचारे कभी,
हर दिशा आज खुश रंग है,
भीड़ में भी थे तन्हा बड़े,
अब कमी ना जो तू संग है,
जिन्दगी वो पढ़ाई हुई,
पाठ भी तू है तू शब्द भी,
श्याम तेरी लगन जों लगी,
तो अगन भी लगे बर्फ सी।bd।

आशावादी ये दरबार है,
हर निराशा गई हार है,
पापी को भी जो निर्मल करे,
श्याम तेरा वही प्यार है,
ढूँढा सारा जहां पर मिले,
तेरे बिन सारे खुदगर्ज ही,

Bhajan Diary Lyrics,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना शुल्क के ऑनलाइन संग्रहित हैं। इन्हें देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



श्याम तेरी लगन जो लगी,
तो अगन भी लगे बर्फ सी,
तेरी परछाई हम पे बिछी,
जो मिठाई पे हो बर्क सी,
श्याम तेरी लगन जों लगी,
तो अगन भी लगे बर्फ सी।bd।

स्वर – संजय मित्तल जी।